Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 28 Jun 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-12 Issue - 4

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week

देश में 3 जुलाई तक कोरोना के 6 लाख 4 हजार 641 मामले आ चुके है। जबकि मरने वालों का आंकड़ा 17834 तक पहुंच गया है। वहीं खुशी की बात यह भी है कि आधे से अधिक 3 लाख 59 हजार 859 लोग इस महामारी से ठीक हो चुके है।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
सख्ती : जिले में 79 हजार वाहनों के पंजीकरण निरस्त

पेज नंबर 7
Man posing as railway officer dupes many

TIRUPATI EYE

हेल्प लाइन नंबर

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें
0120–2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम
0120–2783098

चार पुलिसकर्मी को किया लाइन हाजिर

गाजियाबाद : एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सोमवार को दूधेश्वरनाथ चौकी के प्रभारी प्रह्लाद सिंह, इसी चौकी पर तैनात सिपाही बंटी, साहिबाबाद की शहीदनगर चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल ताज मोहम्मद और ट्रॉनिका सिटी थाने पर तैनात सुशील कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। इनके खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

प्रवेश प्रारंभ, 31 तक करें ऑनलाइन आवेदन

गाजियाबाद : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से नए सत्र 2020–21 के लिये ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। शंभू दयाल पीजी कॉलेज में इग्नू अध्ययन केंद्र के समंवयक डॉ. विजय शंकर राय ने बताया केंद्र पर एमए मनोविज्ञान, एमए सोशल वर्क, एमए दूरस्थ शिक्षा, डिप्लोमा इन न्यूट्रीशन एंड हेल्थ एजुकेशन जैसे महत्वपूर्ण व रोजगारपरक प्रोग्राम संचालित हैं।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने परमानंद वाटिका में लगाए पौधे, लिया देखरेख का संकल्प

गुलजार, हजम, खलीफा, बैल पत्थर, नीम, पीपल, अमरूद, शीशम के पौधे लगाए गए

वसुंधरा : सेक्टर–12 स्थित परमानंद वाटिका में रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने बुधवार को विभिन्न तरह के सात पौधे लगाए और उनकी देखरेख का संकल्प लिया। पौधारोपण कार्यक्रम में पार्षद हिमांशु चौधरी ने भी सहयोग किया। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के चार्टर प्रेसिडेंट डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि गुलजार, हजम, खलीफा, बैल पत्थर, नीम, पीपल, अमरूद, शीशम के पौधे लगाए गए। इससे पूर्व भी छह माह के दौरान परमानंद वाटिका में करीब 80 पौधे लगाकर इसे हरा–भरा बनाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ में जनपद में वन क्षेत्र का घटता जा रहा है। जनसंख्या के हिसाब से सात हजार हेक्टेयर भूमि पर वन होने चाहिए। जबकि वर्तमान में 691 हेक्टेयर वन भूमि है। इतना कम क्षेत्र होने का कारण पेड़ों की अंधाधुंध कटाई है जिस पर रोक लगाने के साथ ही सभी को पौधारोपण करना चाहिए। जिससे जनपद की हवा को शुद्ध किया जा सके। वहीं अध्यक्ष पूनम बाला ने बताया कि प्रकृति और मानव एक दूसरे के पूरक है। दोनों को एक दूसरे की जरूरत होती है। पेड़ों से जहां हमें खानपान मिलता है वहीं ये हमारी बीमारियों में भी सहायक होते है। ये जहां हमें आक्सीजन देते है वहीं वातावरण भी शुद्ध रहता है। पूर्व अध्यक्ष मनीषा भार्गव ने बताया कि वे प्रतिदिन एक पौधा लगाएगी। आज उन्होंने नीम का पौधा लगाया है। इस पौधे में तेल, फल, बीज, पत्ते और जड़ तक में बीमारियों से लड़ने के गुण होते है। पार्षद हिमांशु चौधरी ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर द्वारा समय–समय पर पौधारोपण किया जाता है यह एक सराहनीय कार्य है। लोगों की सेहत और पर्यावरण के मद्देनजर एक तिहाई क्षेत्रफल पर वृक्ष होने चाहिए। यह प्रयास रोटरी क्लब कर रहा है। डा.धीरज कुमार भार्गव के अलावा अपूर्व राज, पूनम बाला, मनीषा भार्गव, कुनिका, प्रतीक, संजय, विक्रम, सीटू, गजेंद्र मलिक, श्रीभगवान व वार्ड–36 के पार्षद हिमांशु चौधरी आदि ने पौधों को रोपण किया।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

तिरूपति बालाजी क्रोनिकल की ओर से रोटेरियन *डॉ. धीरज कुमार भार्गव जी* को जन्मदिन (4 जुलाई) की बहुत–बहुत शुभकामनाएं

Patient who fled from Gujarat hospital reaches Ghaziabad

VADODARA: A coronavirus patient who fled from special isolation ward of GMERS Medical College and Hospital on June 25 was learnt to have reached his hometown Ghaziabad. Gorwa police learnt about the patient Vikas Kumar when he answered their phone call while in train. A police official said that when he was contacted, he told them that the train was about to reach Ghaziabad and he will alight there as it is his hometown. "He did not mention why he ran away from hospital nor did he say whether he had reached Vadodara station directly from the hospital or went somewhere else too," said sub-inspector R K Gosai of Gorwa police station. However, cops here alerted Ghaziabad police in time about Kumar so that he can be quarantined at a Covid care centre. "We have sent all documents to Ghaziabad police and they will take over the case from here," Gosai added.

9873222502 नंबर पर अब घर बैठे लें डाक्टर से सलाह, आरएसएस ने शुरू की व्यवस्था

गाजियाबाद : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इकाई सेवा भारती ने लोगों को चिकित्सीय परामर्श देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9873222502 की शुरुआत की है। इस हेल्पलाइन नंबर पर डॉक्टर लोगों को चिकित्सीय सलाह दे रहे हैं। इसके साथ ही संघ के शास्त्रीनगर स्थित कार्यालय पर भी डॉक्टर बैठ रहे हैं और लोगों को निशुल्क परामर्श दे रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाहक रामवरूण ने बताया कि कोरोना काल में संक्रमण से बचाने के व समाज के सहयोग के लिए संघ लगातार काम कर रहा है। सेवाभारती ने चिकित्सीय परामर्श के लिए हेल्पलाइन नंबर 9873222502 जारी किया है। इसके माध्यम से डॉक्टरों की एक टीम लोगों को परामर्श दे रही है और आवश्यक उपचार व सावधानियों के प्रति जागरुक कर रही है। इस टीम में एम्स से डॉक्टर देवेंद्र, महिला परामर्श के लिए डॉक्टर पलक तोमर, आयुवेर्दिक परामर्श के लिए डॉक्टर सुभाष व होम्योपैथिक परामर्श के लिए डॉक्टर प्रियांक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शास्त्रीनगर स्थित संघ कार्यालय से इस गतिविधि को चलाया जा रहा है। अभी तक 7000 लोगो को रोग प्रतिरोधक होम्योपैथ की दवा, 10000 काढ़े के पैकेट अभी तक वितरित कराए जा चुके हैं और 25000 से अधिक मास्क भी वितरित किये गये हैं।

सख्ती : जिले में 79 हजार वाहनों के पंजीकरण निरस्त

गाजियाबाद : आरटीओ गाजियाबाद ने जिले में 15 साल से पुराने करीब 79 हजार वाहनों के पंजीकरण निरस्त कर दिए है। इनमें करीब 70 हजार दुपहिया वाहन हैं, जिसमें मोटरसाइकिलों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस कार्रवाई के बाद कोई इन वाहनों को चलाते हुए पकड़ा जाता है तो वाहन को जब्त कर लिया जाएगा और चालक पर जुर्माना लगाया जाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) विश्वजीत प्रताप सिंह ने बताया कि डीजल के 3955 और पेट्रोल के 75 हजार 123 वाहनों का पंजीकरण निरस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि गाजियबाद दिल्ली–एनसीआर के शहरों में शामिल है। वर्ष 2016 में एनजीटी ने इस क्षेत्र के लिए आदेश जारी किया था कि पंद्रह वर्ष पूर्ण कर चुके वाहनों का पंजीकरण निरस्त किया जाए। इस आदेश का पालन करने के लिए मोटरयान अधिनियम–1988 की धारा–54 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कार्रवाई की गई है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) विश्वजीत प्रताप सिंह ने बताया कि पंजीकरण निरस्त किए गए वाहनों में करीब 70 हजार दुपहिया वाहन हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा संख्या मोटरसाइकिल की है। करीब चार हजार कारों के पंजीकरण निरस्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि बाकी वाहनों में ट्रक, कैंटर समेत कई माल वाहक वाहन हैं। पिछले साल ऐसे वाहनों के स्वामियों को 60 दिन का वक्त दिया गया था कि वह यहां एनओसी लेकर इन वाहनों को उन जिलों में पंजीकृत करा लें, जहां पंद्रह साल पुराने वाहनों के पंजीकरण पर रोक नहीं है।

इस सीरिज के है वाहन

ये वाहन यूएसी, यूएई, यूएएच, यूएपी, यूजीयू, यूएचजी, यूएचजे, यूएचएम, यूएचएन, यूएमसी, यूएमई, यूएमआर, यूपी14, यूपी14ए, यूपी14बी, यूपी14डी, यूपी14ई, यूपी14एफ, यूपी14जी, यूपी14एच, यूपी14जे, यूपी14के, यूपी14एल, यूपी14एम और यूपी14एन सीरिज में पंजीकृत थे।

कोरोना से बचने को बरतें ज्यादा सावधानी

गाजियाबाद : कोरोना से बचने के लिए बारिश के मौसम में ज्यादा सावधानी बरतनी होगी। यदि मास्क गीला हो जाता है तो उसे तुरंत बदलना होगा। इसके लिए दूसरा मास्क साथ लेकर ही घर से बाहर निकलना समझदारी होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनके गुप्ता ने बताया, यदि मास्क गीला हो जाए तो उसे तुरंत बदलना जरूरी है। भीगे हुए मास्क को इधर–ऊधर न फेकें । इसके लिए एक थैला घर से लेकर चलें और गीला मास्क उसमें रखने के बाद हाथों को सैनिटाइज कर लें। दूसरा मास्क मुंह पर तुरंत लगा लें। एक जुलाई से शुरू होने वाले दस्तक अभियान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बतायेंगी।

ऑपरेशन दस्तक में बीएलओ घर–घर जाकर जुटाएंगे जानकारी

गाजियाबाद : प्रशासन ने कोरोना पर काबू पाने के लिए ऑपरेशन दस्तक की शुरुआत की है। इसके तहत जिले में बीएलओ घर–घर जाकर परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। वह प्रशासन द्वारा एक तय प्रारूप पर परिवार के सदस्यों की जानकारी हासिल कर रहे हैं और यह प्रारूप भरकर अपने सक्षम अधिकारी को सौंपेंगे। यदि किसी व्यक्ति को कोरोना के लक्षण की जानकारी मिलती है तो उसकी तत्काल जांच कराकर पॉजिटिव पाए जाने पर अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। इसके साथ ही बीएलओ घर–घर जाकर लोगों को पंफलेट्स व अन्य माध्यमों से कोरोना को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों, लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। प्रशासन ने इस काम के लिए 3048 बीएलओ की ड्यूटियां तय की है। इन बीएलओ के ऊपर 237 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। पहले दिन बीएलओ ने 4500 परिवार व 11700 लोगों का सर्वेक्षण किया। इनमें 15 लोगों में कोविड के लक्षण मिले, उनकी जांच कराई गई है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि जिले में कोरोना को मात देने के लिए यह योजना शुरू की गई है। इस योजना में दो तरह की रणनीति तय कर काम किया जा रहा है। पहली रणनीति कंटेनमेंट जोन के लिए तैयार की गई है। इसके तहत जिस क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मामले आते हैं उन्हें कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाता है। ऐसे कंटेनमेंट जोनों में 470 सर्विलांस टीमें लगाई गई हैं। ये टीम घर–घर जाकर लोगों को कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक कर रही हैं। अब तक सर्विलांस टीम 37,374 परिवार व 1,81,885 व्यक्तियों का सर्वेक्षण कर चुकी हैं। इनमें 21 कोविड लक्षण वाले लोगों की जांच कराई गई है। डीएम ने बताया कि दूसरी रणनीति के अनुसार कंटेनमेंट जोन के बाहर भी जागरूकता व सर्वेक्षण अभियान शुरू कराया गया है। कंटेनमेंट से बाहरी क्षेत्र में बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएलओ निर्वाचन से संबंधी कार्य में अनुभवी होते हैं। बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वह घर–घर जाकर कोरोना के लक्षण जिसमें बुखार, बदन दर्द, खांसी, जुकाम, गला खराब व सांस लेने में दिक्कत समेत घर में रहने वाले लोगों की संख्या, घर में रहने वाले किसी व्यक्ति को बुखार, खांसी या सांस लेने में परेशानी का पता लगा रहे हैं।

कोर्ट परिसर में तैनात अर्दली कोरोना पॉजिटिव निकलने पर हड़कंप

गाजियाबाद : कोर्ट परिसर में तैनात एक अर्दली (सेवक) कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इसके चलते कोर्ट में सोमवार को हड़कंप मचा रहा। पूर्व में दो अधिवक्ताओं को कोरोना होने के बाद कोर्ट परिसर को सील कर दिया गया था। इसके बाद सोमवार को ही कोर्ट खुले और अर्दली में कोरोना की जानकारी मिली। चपरासी को कोरोना होने के बाद साथी कर्मचारी व अधिवक्ता परेशान हैं। कोर्ट में तैनात एक कर्मचारी संजय नगर सेक्टर 23 में रहता है। मंगलवार को उसकी तबियत खराब खराब होने के बाद उसकी जांच कराई गई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद कोर्ट परिसर में अहतियात बढ़ा दिया गया है।

कोविड वायरस को लेकर डीएम ने लोगों के लिए जारी की एडवाइजरी

गाजियाबाद : कोरोना वायरस को लेकर जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने जिले के लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि बेहद आवश्यक हो तभी घरों से निकलें, अन्यथा घरों में ही रहें। यदि किसी कार्य से बाहर निकलना पड़ रहा है तो सुरक्षा के साथ मुंह पर मास्क व कपड़ा लगाकर ही बाहर निकलें। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा अभी समाप्त नहीं हुआ है। सरकार के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में धीरे–धीरे लॉकडाउन खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलने का खतरा कम हो गया है। जनपद में कोरोना संक्रमित व्यक्ति लगातार मिल रहे है। ऐसी परिस्थितियों में जनपद के सभी लोगों की और अधिक जिम्मेदारी बढ़ गई है। यात्रा के दौरान, बाजारों में, कार्यालयों में सभी माल्स में व अन्य स्थानों पर सभी लोग मास्क का प्रयोग करते हुए शारीरिक दूरी के नियम का पालन करें। जिलाधिकारी ने सभी वाणिज्य संस्थानों, कार्यालय अधयक्षों, उद्यमियों से आह्वान किया है कि वह अपने–अपने संस्थानों में नियमित रूप से सैनिटाइजेशन का कार्य कराते रहे और शारीरिक दूरी का पालन कराते हुए मास्क का प्रयोग कराएं।

गाजियाबाद में कंटेनमेंट जोन की संख्या हुई 411

गाजियाबाद : जिले में अब कंटेनमेंट जोन की संख्या दिल्ली के करीब पहुंची गई है। दिल्ली में 421 कंटेनमेंट जोन है। सोमवार को दिल्ली के निकट बसे गाजियाबाद में कंटेनमेंट जोन की संख्या 411 पर पहुंच गईं हैं। कंटेनमेंट जोन की कैटेगरी एक में शामिल क्षेत्रों की संख्या 340 हो गई है। इन इलाकों में कोरोना का केवल एक ही पॉजिटिव केस अब तक पाया गया है। इसी क्रम में कैटेगरी दो में 71 इलाके आ गए हैं। यहां पर एक से अधिक केस मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को जारी की गई सूची के मुताबिक कंटेनमेंट जोन में उन इलाकों के भी नाम हैं जिनकी सील खोल दी गई है। बीस मई को जिले में कंटेनमेंट जोन की संख्या 68 थी। 12 जून को कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़कर 217 हो गई। 18 दिन के भीतर कंटेनमेंट जोन की संख्या में 194 का इजाफा हुआ है। जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि कंटेनमेंट जोन कैटेगरी एक के मरीज के घर के 250 मीटर के रेडियस अथवा पूरा मौहल्ला जो कम हो, उसे सील कर दिया जाता है। कैटेगरी दो में क्लस्टर अथवा 500 मीटर के रेडियस को सील करके निगरानी बढ़ा दी जाती है। कैटेगरी दो में शामिल कंटेनमेंट जोन में राजनगर, राजनगर एक्सटेंशन,सिद्धार्थ निकेतन अपार्टमेंट कौशांबी, सेक्टर–14 कौशांबी, शालीमार गार्डन, लाजपतनगर, शालीमार गार्डन एक्स्टेंशन एक, ब्रजविहार, रामपुरी सूर्यनगर, विक्रम एंकलेव, झंडापुर, सेक्टर–1 वैशाली, सेक्टर–5 वैशाली, कड़कड़ मॉडल मंगल बाजार साहिबाबाद, रामप्रस्थ कॉलोनी ब्लॉक सी साहिबाबाद, राजेंद्र नगर सेक्टर–5, राजेंद्र नगर सेक्टर–3, नीलपदम कुंज वैशाली सेक्टर–1, 41 बटालियन पीएसी, मैक्स हॉस्पिटल वैशाली, वसुंधरा, डासना जेल, भातर सिटी, परमहंस विहार लोनी, शिव विहार, इंदिरापुरम, राजीव गार्डन लोनी, गुलाब वाटिका लोनी, ब्रजविहार कॉलोनी मुरादनगर, ब्रहमपुरी मुरादनगर, गंगाविहार मुरादनगर, आदित्य सिटी एनएच–24, एटीएस एडवांटेज इंदिरापुरम, शिप्रा सन सिटी, पत्रकार विहार आदि शामिल है।

भारत में 77 मिलियन मरीज डायबिटीज से पीड़ितः डॉ.प्रहलाद चावला

RHAM द्वारा डायबिटीज के रोगी कैसे नियंत्रित करें इस कोरोना काल में अपनी शुगर एवं वजन विषय पर वेबिनार का आयोजन

गाजियाबाद : रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान द्वारा डायबिटीज के रोगी कैसे नियंत्रित करें इस कोरोना काल में अपनी शुगर एवं वजन विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉप्रहलाद चावला (निदेशक और प्रमुख–निष्काम डायबिटीज देखभाल और अनुसंधान) और श्रीमती आंचल अग्रवाल (आहार विशेषज्ञ और डायबिटीज शिक्षक) ने लोगों को डायबिटीज के बारे में जानकारी दी।

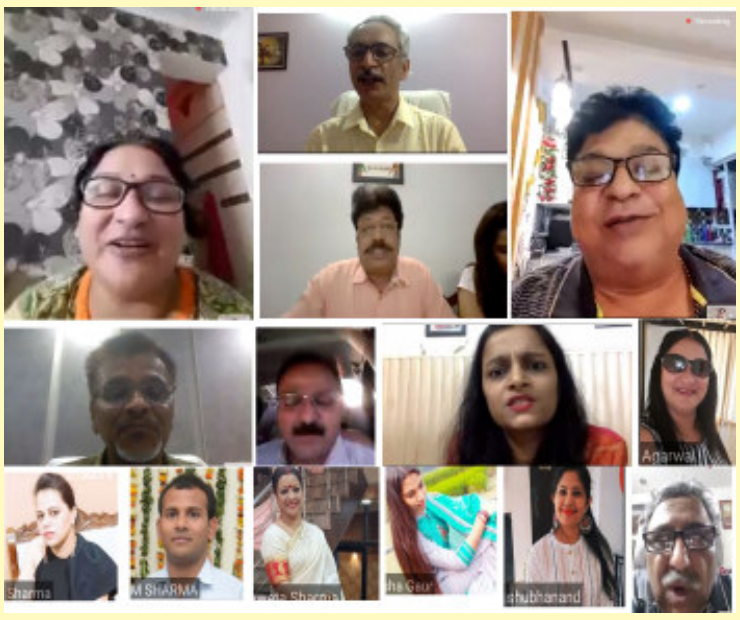

वेबिनार मेंरोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद मेट्रो, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्टर्न, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हेरिटेज, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद ग्रीन, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सिटी, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत सेंट्रल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अपटाउन, इनरव्हील क्लब आईपीईएक्स दिल्ली, रोटरी क्लब ऑफ नोएडा यूथ, गाजियाबाद भार्गव समिति, मान्यवर कांशीराम गर्वमेंट डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद व इंग्राहम इंस्टीटयूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टीडीज एंड लॉ के सदस्य जुड़े हुए थे।

मुख्य वक्ता डॉप्रहलाद चावला (निदेशक और प्रमुख–निष्काम डायबिटीज देखभाल और अनुसंधान) ने कहा कि भारत में77 मिलियन मरीज डायबिटीज से पीड़ित है। डायबिटीज के लक्षण

शरीर मेंपहले ही दिखाई देने लगते है लेकिन हम इसे इग्नोर करते रहते है। बार बार प्यास लगना, बार बार पेशाब आना, लगातार भूख लगना, दृष्टी धुंधली होना, एकदम वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, अकारण थकावट महसूस होना, घाव देर से ठीक होना, रक्त में संक्रमण होना, खुजली या त्वचा रोग, सिरदर्द आदि डायबिटीज के लक्षण है। डायबिटीज तीन प्रकार का होता है। टाइप–1– यह मुख्य रूप से बचपन से युवावस्था (14 –25 उम्र) में होती है। यह मुख्य रूप से पैनक्रियास के बीटा में इन्फेक्शन के कारण होती है जिससे इन्सुलिन को उत्पन नहीं किया जा सकता। आम तौर पर इसके रोगी नियमित रूप से बाहर से इन्सुलिन शरीर में लेते हैं। टाइप–2 – डीएम इंसुलिन प्रतिरोध से शुरू होता है, एक हालत जिसमें कोशिका इंसुलिन को ठीक से जवाब देने में विफल होती है। जैसे–जैसे रोग की प्रगति होती है, इंसुलिन की कमी भी विकसित हो सकती है। इस फॉर्म को शुरुआत डायबिटीज के रूप में जाना जाता था। इसका सबसे आम कारण अत्यधिक शरीर का वजन होना और पर्याप्त व्यायाम न करना है। तीसरी गर्भावधि डायबिटीज है। इस प्रकार की डायबिटीज गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को प्रभावित करती है। कुछ महिलाओं में उनके रक्त में ग्लूकोज का उच्च स्तर होता है, और उनके शरीर में सभी ग्लूकोज को उनके कोशिकाओंमेंपरिवहन के लिए पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में असमर्थ होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बढ़ते स्तर में ग्लूकोज का स्तर होता है। गर्भावधि डज्ञयबिटीज का निदान गर्भावस्था के दौरान किया जाता है। गर्भावधि डायबिटीज रोगी बहुमत से व्यायाम और आहार के साथ अपनी डायबिटीज को नियंत्रित कर सकते हैं। उनमें से 10 प्रतिषत से 20 प्रतिषत के बीच किसी प्रकार की रक्त ग्लूकोज–नियंत्रित करने की दवाएं लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। निदान या अनियंत्रित गर्भावधि डायबिटीज बच्चों के जन्म के दौरान जटिलताओं के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। डायबिटीज मेंधूम्रपान, चीनी, मिठाई, ग्लूकोज, मुरब्बा, गुड़, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री, मीठा बिस्कुट, चॉकलेट, शीतल पेय, गाढ़ा दूध, क्रीम,तला हुआ भोजन,मक्खन, घी, और हाइड्रोजनीकृत वनस्पति तेल, सफेद आटा,जंक फूड,कुकीज, डिब्बा बंद और संरक्षित खाद्य पदार्थ आदि को खाने से परहेज करें।

श्रीमती आंचल अग्रवाल (आहार विशेषज्ञ और डायबिटीज शिक्षक) ने कहा कि डायबिटीज के रोगी का आहार केवल

पेट भरने के लिए ही नहीं होता, उसके शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा को संतुलित रखने में सहायक होता है। चूंकि यह रोग मनुष्य के साथ जीवन भर रहता है इसलिए जरूरी है कि वह अपने खानपान पर हमेशा ध्यान रखे। डायबिटीज आनुवांशिक या उम्र बढ़ने पर या मोटापे के कारण या तनाव के कारण हो सकता है। डायबिटीज के रोगी को आंखों व किडनी के रोग, सुन्नपन आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सदैव यही प्रयत्न करना चाहिए कि ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70. 110 मिलीग्राम डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100.140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए। सही समय पर दवाई या इंसुलिन लेना चाहिए। डायबिटिक व्यक्ति को अपने वजन व लंबाई के अनुसार प्रस्तावित कैलोरीज से 5 प्रतिषत कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए। डायबिटीज रोगी डाइट का ख्याल रखें। थोड़ा खाए, थोड़े–थोड़े समय में तीन–चार बार खाएं। खाने में फाइबर बढ़ाने के लिए छिलके वाला अनाज खाए, खाने से पहले सलाद लें, प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए अंडा, दाल, पनीर भी खाए। ऑयल जरूर कम करें, भूनी चीजें न खाएं, एक दिन में तीन चम्मच तेल खा सकते है। कार्बोहाइड्रेट और नमक की मात्रा कम करें। सब्जी–सलाद में उपर से नमक न डाले। हेल्दी डाइट फॉलो करें।

आईपीडीजी रो.सुभाष जैन ने कहा कि डायबिटीज से बचने के लिए नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि या व्यायाम करें। व्यायाम के कई स्वास्थ्य लाभ हैं,

जिस मे आपको अपना वजन कम करने और अपने रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करना शामिल है। सप्ताह के अधिकांश दिनों में मध्यम शारीरिक गतिविधि वजन को नियंत्रित करने, रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करती है और इससे रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल में भी सुधार हो सकता है। ये कारक आपके टाइप 2 डायबिटीज के जोखिम को कम करेंगे।

डीजीएन रोअशोक अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ भोजन का सेवन करें।

अपने आहार में वसा की मात्रा कम करें, विशेष रूप से संतृप्त और ट्रांस वसा। अधिक फल, सब्जियां और उच्च फाइबर वाले खाद्य पदार्थ खाएं। धूम्रपान न करें। धूम्रपान करने वालों को डायबिटीज के गैर–धूम्रपान करने वालों के रूप में विकसित होने का खतरा दो गुना अधिक है। शराब का सेवन सीमित करें।

समन्वयक एवं रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन

डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने वेबिनार में शामिल सभी से अपील की कि वे अपने साथ ही बच्चों को भी प्रतिदिन एक्सरसाइज के लिए प्रेरित करें। जिससे वे समय रहते डायबिटीज से बचे रह सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिनचर्या में बहुत परिवर्तन हो गया है। कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में लोग घरों में कैद हो गए है जिससे सभी का खान–पान व रहन–सहन बदल गया है। प्रतिदिन एक्सरसाइज करनी चाहिए। जिससे हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सके।

मान्यवर कांशीराम गर्वमेंट डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद की प्रिंसिपल डॉ.

अर्चना वर्मा ने बताया कि यदि हम डाइट के साथ एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तो काफी हद तक हम डायबिटीज और ब्लड प्रेशर पर काबू पा सकते है। पहले लोग मेहनत करते थे तो डायबिटीज 35 साल के बाद होती थी लेकिन अब 25 वर्ष में ही डायबिटीज हो रही है। इसका कारण अनियंत्रित खानपान और एक्सरसाइज न करना है। यदि हमें कॉलोनी में ही कुछ सामान लेना जाना होता है तो हम पैदल नहीं चलते बाइक का सहारा लेते है। पहले लोग दिन भर में दस–दस किमी तक पैदल चलते थे। जिससे उनके शरीर की एक्सरसाइज हो जाती थी। अब लोग डाइट में जंक फूड खाने लगे है, जो शरीर को नुकसान पहुंचा रहे है। यदि हमें डायबिटीज से बचना है तो अपनी लाइफस्टाइल को सुधारना होगा। इतना ही नहीं 13 साल तक के बच्चों में भी जंक फूड खाने और अनियंत्रित खानपान की वजह से वजन बढ़ता है।

इंग्राहम इंस्टीटयूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ.सरिता शर्मा

ने वेबिनार में उपस्थित सभी लोगों से डायबिटीज पर नियंत्रण करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सर्वे से पता चला है कि प्रति वर्ष भारत में डायबिटीज के कारण 27 हजार बच्चों की मौत होती है। यदि इसे कंट्रोल नहीं किया गया तो यह हार्टअटैक, अंधापन, आघात, किडनी फेल कर सकता है। हम अच्छी डाइट लेकर और एक्सरसाइज कर इस पर 80 प्रतिशत तक काबू पा सकते है। टाइप–2 डायबिटीज से ग्रस्त लोग स्वस्थ लोगों की अपेक्षा 5 से 10 वर्ष पहले मर जाते है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है, बच्चों को भी। इसलिए डायबिटीज से बचने के लिए अपने शरीर का ध्यान अवश्य रखें।

मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टीडीज एंड लॉ की प्रिंसिपल श्रीमती निशा

सिंह ने बताया कि डायबिटीज होने पर परहेज जरूर करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच जरूर कराते रहे। डाक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का नियमित सेवन करें। पर्याप्त मात्रा में नींद लें, सुबह–शाम एक्सरसाइज करें या घुमने की आदत डाले। डायबिटीज मरीज नमक, मीट, मछली, अंडा, अल्कोहल, चाय, कॉफी, शहद, नारियल आदि का सेवन कम करे।

वेबिनार में अजय कुमार, आकांक्षा, अलका सिंघल, आंचल शर्मा, अतुल अग्रवाल, दिपिका, दिव्या अग्रवाल, दीक्षा गौड़, बीना अग्रवाल, दिनेश गर्ग, डॉ.बॉबी यादव, डॉ.स्वेता शर्मा, डॉ. उपासना दीक्षित, डा.राजीव वर्मा, डॉ. संगीता, डॉ.विशाल कुमार, डॉ.पूनम सिंह, डॉ.प्रियंका सैन, गर्वित चावला, काजल, कमल अग्रवाल, मोनिका गोविल, निरझा अग्रवाल, कशिश, मनीषा भार्गव, मिनाक्षी भारद्वाज, निधि शुभानंद, पंकज राय, प्रतिज्ञा चौहान, प्रतीक भार्गव, प्रो.नीरन गौतम, पूजा अरोरा, रचना गौर मुरारी, राजेश मिश्रा, रजनी दीक्षित, रिकी अग्रवाल, रो. अमित गुप्ता, एसके अग्रवाल, संदीप मिगलानी, सारिका सिंघल, शीतल, तनू, उत्तम शर्मा, कशिश, सुनीता, रो. रवींद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

EDITORIAL

Control, not delete: On China apps ban

Citing concerns to both data security and national sovereignty, the Indian government on June 29 announced it would block 59 widely used apps, most linked to Chinese companies. These include the popular video-sharing social networking app TikTok, a mobile browser called UC Browser, and a file-sharing app called SHAREit. What is common to all three is their wide user base in India, with each claiming more than 100 million monthly active users, and their origins in China. Explaining the ban, the Ministry of Electronics and Information Technology cited "the emergent nature of threats" posed by the apps and "information available" that they are engaged in activities "prejudicial to sovereignty and integrity of India, defence of India, security of state and public order". The apps, according to the Ministry, had been reported for "stealing and surreptitiously transmitting users' data in an unauthorized manner to servers which have locations outside India", which "impinges upon the sovereignty and integrity of India". From the perspective of data security and privacy, there is indeed a strong case to be made to more strictly regulate apps that handle vast amounts of user data. Such a move was surely long overdue.

But the government might have done the right thing for the wrong reasons. The timing of the move, coupled with the fact that it has chosen to block the apps outright, rather than ensure they were complying with the law, suggests the ban is less motivated by privacy concerns than about sending a message to China amid the tensions along the border. After all, privacy and data security concerns are not limited only to Chinese apps. Concerns about many of these apps are hardly new, and the move to block them comes after these apps had already amassed hundreds of millions of users in India. If sending a message about China is the motivation, the ban is more signalling than substance. It may help the government show the public it is taking China on, even if it will have no impact on deterring Chinese behaviour on the border, which will require a tough diplomatic and military response. The tensions on the border, as well as the COVID-19 pandemic, have ignited a much-needed debate on India's economic dependencies on China. India remains reliant on Chinese products in several critical and strategically sensitive sectors, from semiconductors and active pharmaceutical ingredients to the telecom sector, where Chinese vendors are involved not only in India's 4G network but in on-going 5G trials as well. India faces tough choices going forward in dealing with its deep economic embrace of China. Hitting the delete button on social media and gaming apps barely scratches the surface of the problem.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन

गाजियाबाद : पेट्रोल और डीजल की कीमत में इजाफा होने पर पीस पार्टी ने प्रदर्शन किया। डीएम को ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की। पार्टी के जिलाध्यक्ष हाजी नाजिम खान ने बताया कि तेल की कीमत बढने से आम लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। किसानों को परेशानी हो रही है। इस मौके पर जिला महासचिव असलम सैफी, महानगर अध्यक्ष शकील आरफी, नसीम अल्वी, याकूब अली शाह, अब्दुल रहीम मंसूरी, मनीषा गौतम आदि मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा पर कोरोना का असर, पुलिस–प्रशासन ने की तैयारी

गाजियाबाद : हर साल बम भोले के उद्घोष और जोरदार उत्साह के साथ होने वाली कांवड़ यात्रा पर भी कोरोना का असर पड़ा है। कोरोना के खतरे को देखते हुए पुलिस–प्रशासन दो हफ्ते पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। अब बिना अनुमति के कांवड़ यात्रा के लिए डीजे या वाहन देने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सभी ट्रांसपोर्टर्स व डीजे संचालकों के साथ बैठक कर पुलिस ने इसका पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। वहीं शासन ने संभागीय परिवहन अधिकारियों को भी ऐसे किसी वाहन के लिए अनुमति न देने का निर्देश किया है। आइजी रेंज मेरठ प्रवीण कुमार आज गाजियाबाद पहुंचकर कांवड़ यात्रा की तैयारी की समीक्षा करेंगे। वह सात दिन के लिए यहां रुकेंगे। कोरोना के मद्देनगर प्रशासन ने जिले की 160 रजिस्टर्ड समितियों से पूर्व में ही लिखित में ले लिया था कि वे इस बार शिव भक्तों के लिए सेवा शिविर नहीं लगाएंगे। इसके अलावा हर चौकी प्रभारी अपने क्षेत्र में पीस कमेटी व गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर अपील कर रहे हैं कि वे क्षेत्र के लोगों को समझाएं। इस बार कांवड़ लाने न जाएं और घर में रहकर की भगवान शिव की आराधना करें। दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरि पूर्व में ही वीडियो जारी कर अपील कर चुके हैं कि कोई कांवड़ लेने न जाए ताकि कोरोना का संक्रमण न बढ़े। परंपरा के पालन के लिए जलाभिषेक के दिन मंदिर के चार लोग मुरादनगर गंगनहर से जल लाकर चढ़ाएंगे। कांवड़ यात्रा के नोडल अधिकारी एसपी सिटी डॉ. मनीष मिश्र ने कहा कि थानों पर डीजे संचालक व ट्रांसपोर्टरों की बैठक कराई गई है। चूंकि हर आयोजन के लिए डीजे बजाने की अनुमति लेनी होती है तो इसके बिना किसी कांवड़ यात्रा के लिए डीजे या अपना वाहन न दें।

डंपर से कुचलकर स्कूटी सवार किशोर की मौत, भाई व दोस्त घायल

गाजियाबाद : पिता के सोते समय चुपके से चाभी लेकर स्कूटी पर घूमने निकले किशोर की डंपर से कुचलकर मौत हो गई। हादसे में उसका छोटा भाई व दोस्त भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना थाना सिहानी गेट क्षेत्र के नंदग्राम में रविवार देर शाम की है, जिसके बाद चालक फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसएचओ दलीप सिंह बिष्ट ने बताया कि मृतक की पहचान शादाब के रूप में हुई है, जो नंदग्राम की नई बस्ती में रहता था। शादाब के पिता अफजाल टेलर हैं और वह शादाब एक कूलर फैक्ट्री में काम सीख रहा था। समीर चौथी क्लास में पढ़ता है, जबकि सोनू छठी क्लास का छात्र है। अफजाल के चार बेटे हैं और शादाब तीसरे नंबर का व समीर सबसे छोटा है। अफजाल ने बताया कि रविवार को छुट्टी होने के चलते वह घर पर ही थे और शाम के समय उनकी आंख लग गई। इसी समय उनके दोनों बच्चों ने स्कूटी की चाभी ले ली और दोस्त सोनू को लेकर घूमने निकल गए। एक्सिडेंट की सूचना देने को पड़ोसी ने उन्हें जगाया तो अस्पताल पहुंचे। घर से आधा किमी दूर मिट्टी से भरे डंपर ने तीनों की स्कूटी में टक्कर मार दी। शादाब की मौके पर मौत हो गई। सोनू निजी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती है, जबकि समीर को मेरठ मेडिकल के लिए रेफर कर दिया गया है। हादसे में स्कूटी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। एसएचओ का कहना है कि स्वजनों की ओर से शिकायत नहीं मिली है। तीनों स्कूटी सवार नाबालिग थे।

किसानों की बढ़ा मुआवजा देने की मांग को टिकैत का समर्थन

गाजियाबाद : बढ़ा मुआवजा मांग रहे किसानों ने सोमवार को सदरपुर के प्राथमिक विद्यालय में प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत इन किसानों की मांग का समर्थन करने विद्यालय पहुंचे थे। राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को बढ़ा मुआवजा मिलना चाहिए। किसान बातचीत के लिए तैयार हैं। पुलिस के बल पर जमीन पर जबरन कब्जा लेने का प्रयास किया गया तो संघर्ष होगा। आवासीय योजना के लिए सदरपुर समेत कई गांवों की जमीन ली गई थी। वर्ष 2007–08 में सहमति के आधार पर 1100 रुपये वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया गया था। कुछ किसान मुआवजे से असंतुष्ट होकर कोर्ट चले गए थे। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर छह हजार से 14 हजार रुपये तक बढ़ा मुआवजा दिया गया।

अप्रैल 2021 तक शहर में 50 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा शुरू

गाजियाबाद : इलेक्ट्रिक बसों के डिपो, चार्जिंग स्टेशन और शेल्टर बनाने की लिए 37 करोड़ की डीपीआर को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल कर लिया गया है। मंडलायुक्त के मंजूरी मिलने के बाद इसे स्मार्ट सिटी योजना में शामिल किया गया है। अप्रैल 2021 तक शहर में 50 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। पहले इलेक्ट्रिक एसी बस का डिपो, चार्जिंग स्टेशन और रूटों पर बस शेल्टर बनाने के लिए शासन को अलग फंड की व्यवस्था करनी थी। उत्तर प्रदेश जल निगम की सीएंडडीएस इकाई ने इस काम की डीपीआर तैयार की। जिसमें डिपो के अंदर 25 शेड, 25 चार्जिंग स्टेशन और 60 बस शेल्टर बनाने की लागत 37 करोड़ रुपये निर्धारित की गई। शासन की तरफ से ही इसे स्मार्ट सिटी योजना में शामिल करने को कहा गया था। मंडलायुक्त की मंजूरी मिलने के बाद डीपीआर को गाजियाबाद स्मार्ट सिटी योजना में शामिल कर लिया गया। इस योजना से पैसा रिलीज कर इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। बस ऑपरेटर कंपनी एक बस खरीदने पर चार्जर समेत 1.38 करोड़ रुपये खर्च करेगी। यानी 50 बसें व उनके चार्जर खरीदने में कंपनी 69 करोड़ रुपये निवेश करेगी। केंद्र सरकार से फेम (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल) के तहत बस ऑपरेटर कंपनी को 45 लाख रुपये प्रति बस सब्सिडी देगी। नगरायुक्त दिनेश चंद्र ने बताया कि मंडलायुक्त की मंजूरी मिलने पर इलेक्ट्रिक बसों के डिपो, चार्जिंग स्टेशन और शेल्टर बनाने की लिए 37 करोड़ की डीपीआर को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल कर लिया गया है। अप्रैल 2021 तक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

यह हैं छह रूट

आनंद विहार से मोदीनगर (35 किलोमीटर, 10 बसें), आनंद विहार से एएलटी (20 किलोमीटर, आठ बसें), दिलशाद गार्डन से गोविंदपुरम (20 किलोमीटर, आठ बसें), न्यू बस अड्डा से दादरी (25 किलोमीटर, आठ बसें), पुराना बस अड्डा से नोएडा सिटी सेंटर (30 किलोमीटर, 10 बसें), लोनी से नया बस अड्डा (30 किलोमीटर, छह बसें)

जेके गौड ने जिला प्रशासन को दी पीपीई किट

गाजियाबाद : रोटरी डिस्ट्रिक 3012 के पूर्व डीजी जेके गौड व डीजी दीपक गुप्ता ने जिला प्रशासन को 1400 पीपीई किट सौंपी। यह किट जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को सौंप दी।गाजियाबाद के अलावा हापुड को 1500 व सोनीपत को तीन हजार पीपीई किट दी गई। पूर्व डिस्ट्रिक गर्वनर व एमएलसी शिक्षक प्रत्याशी जेके गौड ने बताया कि डिस्ट्रिकगर्वनर दीपक गुप्ता के प्रयासों से ही रोटरी इंटरनेशनल की ओर से गाजियाबाद के लिए 1400, हापुड के लिए 1500 व सोनीपत के लिए तीन हजार किट उपलब्ध कराई गई। एमएलसी प्रत्याशी जेके गौड ने बताया कि जब से कोरोना के कारण देश में लॉकडाउन लगा था, तब से ही रोटरी की ओर से जरूरतमंदों की मदद भी की जा रही है। बीस हजार से अधिक जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा उन्हें राशन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। रोटरी के डिस्ट्रिक गवर्नर दीपक गुप्ता ने बताया कि रोटरी कोरोना संकट काल में लगातार समाज के लिए काम करता रहा है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिन–रात लोगों की सेवा में जुटे हैं और उन्हें कोरोना वायरस से बचा रहे हैं। जेके गौड ने कहा कि ऐसे में हमारा कर्तव्य भी बनता है कि इन कर्मयोद्धाओं के लिए सोचा जाए। उनकी सुरक्षा के लिए रोटरी क्लब द्वारा किट की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने पीपीई किट सौंपने पर रोटरी के सदस्यों का धन्यवाद किया। इस मौके पर अनिल अग्रवाल समेत अन्य रोटेरियन मौजूद थे।

एडीएम सिटी शैलेंद्र सिंह व उनकी पत्नी एसडीएम जेवर हुए संक्रमित

गाजियाबाद : एडीएम सिटी और उनकी पत्नी भी संक्रमित हो गईं हैं। दोनों को उपचार के लिए कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही उनके बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को होम क्वारंटाइन कर दिया गया है। प्रशासन के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अनेक अफसरों में खलबली मच गई है। उक्त दोनों अफसरों के संपर्क में आाने वाले अफसरों की सूची बनाई जा रही है। सीएमओ डॉ. एन के गुप्ता समेत कई अफसरों की जांच हो सकती है। सीएमओ ने बताया कि उक्त दोनों अफसरों ने निजी लैब से जांच कराई थी और निजी अस्पताल में ही उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह और उन्की पत्नी गूंजा सिंह कोरोना पॉजिटिव हो गईं हैं। पीसीएस अफसर गूंजा सिंह एसडीएम जेवर है। नेहरू नगर स्थित यशोदा अस्पताल की सीएमएस डॉ. संगीता ने बताया कि एडीएम सिटी व उनकी पत्नी पॉजिटिव हैं और उनका उपचार यशोदा अस्पताल कौशांबी में चल रहा है। बताया गया है कि उनके बश्चों के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों को होम क्वारंटाइन कर दिया गया है। एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह को इन दिनों कोरोना की रोकथाम के लिए डीएम द्वारा कई खास जिम्मेदारी सौंप रखीं हैं। पिछले पांच दिनों से वह लगातार स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के साथ पल–पल की समीक्षा कर रहे हैं।

संयुक्त अस्पताल के सौ बेड हुए फुल, खानपान और उपचार का इंतजाम खराब

गाजियाबाद : संयुक्त अस्पताल में बनाए गए कोविड एल–2 के सभी सौ बेड फुल हो गए हैं। इस अस्पताल में पॉजिटिव गंभवती महिलाओं के अलावा पचास साल से अधिक उम्र के उन मरीजों को भर्ती कराया जाता है जिन्हे बुखार है और सांस लेने में हल्की परेशानी है। अस्पताल में वेंटिलेटर व ऑक्सीजन का इंतजाम है। सोमवार को अस्पताल के सौ बेड फुल हो गए हैं। अब बेड बढ़ाए जाने पर विचार किया जा रहा है। यहां भर्ती मरीजों का आरोप है कि खान–पान के साथ ही उपचार का इंतजाम ठीक नहीं हैं। बाथरूम एवं वार्ड में साफ सफाई न होने से मरीज बेहद परेशान है।

रोजाना चार हजार लोगों की कोरोना जांच कराए जाने की तैयारी

गाजियाबाद : जिले में रोज चार हजार लोगों की कोरोना जांच कराए जाने की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसके लिए दो जुलाई से खास अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 12 जुलाई तक चल सकता है। अभियान के तहत प्रतिदिन 4 हजार टेस्ट किए जाएंगे। तीन हजार एंटीजन किट से और एक हजार टेस्ट आरटी–पीसीआर के जरिए किए जाएंगे। घर–घर जाकर बुखार और सांस के रोगियों को ट्रेस करते हुए जांच कराई जाएगी। इसके लिए दो हजार टीमों का गठन किया जाएगा। पल्स पोलियो की तर्ज पर चलाए जाने वाले अभियान में स्वास्थ्य विभाग और डब्ल्यूएचओ के अधिकारी संयुक्त रूप काम करेंगे।

667 लोग हुए स्वस्थ

सोमवार को 39 मरीजों को ठीक होने के बाद अलग–अलग अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया है। जिले में एक्टिव केसों की संख्या 745 है। स्वस्थ होने वाले मरीजों का आंकडा 667 पर पहुंच गया है। सोमवार को 70 पॉजिटिव केस सामने आने पर कुल संक्रमितों की संख्या 1463 पर पहुंच गई है। सीएमओ डॉ. एन के गुप्ता के मुताबिक सोमवार को कुल 70 नए मरीज सामने आए। इनमें महिलाओं के अलावा बुजुर्ग भी शामिल है। लोनी, मुरादनगर, मोदीनगर, इंदिरापुरम, वैशाली, विजयनगर के अलावा कई सरकारी कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी भी शामिल है। सीएमओ के

एंटीजन किट से हुईं 366 जांच, 20 पॉजिटिव

एंटीजन किट से जांच तेज कर दी गई है। सोमवार को जिले के अलग–अलग दस इलाकों में एंटीजन किट से 366 लोगों की कोरोना जांच की गई। सीएमओ डॉ. एन के गुप्ता ने बताया कि कुल जांच में बीस लोगों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 346 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

मृतकों की संख्या हुई 51

सोमवार को अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती दो कोरोना संक्रमितों की मौत हुई है लेकिन अधिकारिक पुष्टि केवल एक मौत की ही की गई है। सीएमओ ने बताया की अब तक मरने वाले कोरोना संक्रमितों की संख्या 51 है। जारी की गई रिपोर्ट में सोमवार को हुई कोरोना संक्रमितों की मौत एक दर्ज की गई हैं। जबकि दो लोगों की मौत हुई हैं।

आयुर्वेदिक दवाएं दी गईं

जिले के कोरोना मरीजों को आयुर्वेदिक दवा देना शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में सोमवार को निवाड़ी स्थित दिव्य ज्योति एल–1 अस्पताल में भर्ती 165 संक्रमितों को आयुर्वेदिक दवा बांटी गई। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अशोक कुमार राणा ने बताया कि प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए और संक्रमण से बचाव को लेकर आयुर्वेदिक दवाईयां दी जा रही हैं।

अब कोविड अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर अपने ही साधन से घर जाएंगे लोग

गाजियाबाद : स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को अस्पताल तक लाने और छोडने को लेकर पुराने सिस्टम में थोड़ा बदलाव किया है। कोविड पॉजिटिव आते ही मरीज को उसके घर की बजाय बाहर से सरकारी एंबुलेंस में बैठाने का इंतजाम किया है। यदि मरीज चाहे तो एंबुलेंस घर से ले सकती है। इतना हीं नहीं कोविड अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले व्यक्ति को अब अपने ही साधन से घर जाना होगा। विभाग ने ड्रॉप बैक व्यवस्था खत्म कर दी है। ठीक होने वाले किसी भी व्यक्ति को अब सरकारी एंबुलेंस से उसके घर तक नहीं छोड़ा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह व्यवस्था कोविड एल–1 अस्पतालों में लागू कर दी है। रविवार से ईएसआइसी कोविड एल–1 अस्पताल राजेंद्र नगर में यह व्यवस्था शुरू भी कर दी गई है। प्रभारी डॉ. विमल कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अब डिस्चार्ज होने वाले लोगों को खुद के वाहनों से घर जाने की अनुमति दे दी गई है। जिसके पास वाहन नहीं है वह ऑटो से घर जाएगा। सरकारी एंबुलेंस से घर छोडने की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। सोमवार को दिव्य ज्योति कोविड एल–1 अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले कुछ लोगों ने घर तक सरकारी एंबुलेंस से छोडने की मांग को लेकर हंगामा भी किया लेकिन विभाग ने एंबुलेंस उपलब्ध नहीं करवाई। बाद में सभी खुद के वाहन से ही घर गए।

डॉ. संजय तेवतिया बने संयुक्त अस्पताल के नए सीएमएस

गाजियाबाद : संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ. नरेश विज को आखिरकार शासन द्वारा हटा दिया गया है। शासन ने उनकी पोस्टिंग आरएफपीटीसी कॉलेज आगरा में प्रधानाचार्य के पद पर की है। बता दें कि पिछले एक महीने में बीस मरीजों को भर्ती न किए जाने पर सीएमएस नरेश विज से सीएमओ के अलावा डीएम तक नाराज हुए हैं। कभी बुजुर्ग महिला को पांच घंटे तक एंबुलेंस में बैठाना तो कभी मां–बेटी को धूप में बैठाए जाने पर सीएमएस की लापरवाही सामने आई थी। शासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमएस को हटा दिया है। जारी ट्रांसफर ऑर्डर के मुताबिक संयुक्त अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. संजय तेवतिया को अस्पताल का नया सीएमएस बनाया गया है।

डासना से शंभू दयाल इंटर कॉलेज शिफ्ट हुई अस्थाई जेल, नए कैदियों को रखा जाएगा

गाजियाबाद : डासना में बनाई गई अस्थाई जेल सोमवार को जीटी रोड स्थित शंभू दयाल इंटर कॉलेज में शिफ्ट कर दी गई है। सोमवार को डासना से 15 कैदी यहां लाए गए हैं। इस अवसर पर सोमवार को डीआइजी जेल लव कुमार भी निरीक्षण के लिए पहुंचे। डीआइजी ने निरीक्षण किया और जेल व पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए डासना के प्राथमिक विद्यालय में अस्थाई जेल बनाई गई थी। मगर यहां जगह कम होने के कारण नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित शंभू दयाल इंटर कॉलेज में अस्थाई जेल को शिफ्ट करने का फैसला किया गया था। एसपी सिटी डॉ. मनीष मिश्र ने बताया कि कॉलेज के भूतल को जेल के रूप में प्रयोग किया जाएगा। अंदर की सुरक्षा व अन्य सभी प्रबंधन जेल प्रशासन के जिम्मे दिए गए हैं और आउटर कॉर्डन की सुरक्षा के लिए 20 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एक इंस्पेक्टर को इस अस्थाई जेल का प्रभारी बनाया गया है। 20–20 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी दो शिफ्ट में लगाई जाएगी। डेढ़ सेक्शन पीएसी भी मांगी गई है। पीएसी के जवान जेल की सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर पोस्ट किए जाएंगे। एसपी सिटी ने बताया कि इस जेल में सभी नए कैदी रखे जाएंगे। हर नए कैदी का कोरोना टेस्ट होगा।

Guest school teacher till May, he now runs a cycle repair shop in Ghaziabad

GHAZIABAD: Devesh is no stranger to adversity, but this time it has been particularly galling. The 40-year-old from Aligarh had just begun to leave disappointment and failure behind when the pandemic struck. The lockdown that followed robbed Devesh of his job as a temporary teacher at a government school in Delhi's Mehrauli. The biology graduate and a master's degree holder in political science who had once dreamt of becoming a doctor, Devesh is now making ends meet by working as a cycle mechanic. Devesh said he had been hoping for his job to become permanent when he

received communication from the Government Boys Secondary School on May 8 that his services had been discontinued. He had been working there for the past seven years — long enough, he thought, for a permanent post. "Fate has always been cruel to me. I could not become a doctor because my family was not financially strong. I had been teaching at this school for seven years. I thought I had spent enough time here and they should make me permanent. But instead, they handed me the termination letter," says the 40-year-old, who completed his BEd in 2009 and started working at a school in Aligarh. "I have always been teaching kids. This is something I am doing for the first time," Devesh told this correspondent as he sets up his temporary shop to repair cycles in Vijay Nagar. Devesh, who would give science lessons to students of classes VI to X, would make around Rs 20,000 a month for the 15-20 days he worked at the Delhi school. On May 5, the Delhi education department issued an order stating, "all guest teachers shall be paid up to May 8, 2020, and in summer vacations only if they are called for duties."All schools in the capital are closed till July 31, which means temporary teachers like Devesh have no job until then. There are around 20,000 guest teachers who are engaged in government schools in Delhi. "They called me and said temporary teachers were not needed for the time being as all schools are closed. My savings have dried up.

Man who went missing from airport on his return from Kazakhstan traced to Ghaziabad, quarantined

NEW DELHI: A 72-year-old man, who went missing from the Indira Gandhi International (IGI) airport here upon his arrival from Kazakhstan, was traced to Ghaziabad and sent to home quarantine for 14 days, police said on Sunday. Harjeet Singh, a resident of Dilshad Garden, arrived in Delhi on flight number AI 1916 from Almaty in Kazakhstan on Saturday and went missing from the entry gate of the screening hall at Terminal-3 of the IGI airport, they said. The police were informed about it by the Yamuna Vihar sub-divisional magistrate's (SDM) staff. They said Singh deliberately skipped the screening procedure, following which he was to be institutionally quarantined, in accordance with guidelines issued by the Ministry of Home Affairs (MHA). A case was registered under the relevant sections of the Indian Penal Code and Epidemic Act, a senior police officer said. During investigation, it was revealed that the mobile phone number and address given by the passenger on arrival were not in use. With the help of CCTV footage, the vehicle in which Singh left the airport was identified, the officer said. With the help of the registration number and electronic surveillance, Singh was traced to Indirapuram, Ghaziabad and sent to home quarantine for 14 days by the authority concerned, he added.

42,000 families surveyed, 36 people report symptoms

GHAZIABAD: As many as 42,000 families have been surveyed in the past three days by over 470 surveillance teams across Ghaziabad, officials said. Of these, 37,000 families have been surveyed in containment zones alone, while the remaining in non-containment zones in both urban and rural areas of the district. According to officials, of the 1.81 lakh people in these 37,374 families surveyed in the containment zones, 21 patients with Covid symptoms have been referred to hospitals. And of the 4,500 families surveyed in non-containment zones, 15 symptomatic patients have been detected. The district administration has also formed more than 400 monitoring committees in Ghaziabad to keep tabs on residents as well as migrants. "There is a mandate for 100% surveillance in containment zones but going a step-ahead, the administration has decided to cover every house in the district under a new initiative. It will not only make people aware about the virus, but also help identify patients," said district magistrate Ajay Shankar. If any targeted person is found, then their information are made available to the district disaster control room of GZB and the health department.

Builder Vikram Tyagi missing, kin suspect kidnap

GHAZIABAD: A 36-year-old project manager with a Ghaziabad-based construction company went missing on his way back home from his Patel Nagar office on Friday night. His Toyota Innova Crysta was found 100km away in Muzaffarnagar. Police said there were blood stains on the back of the driver's seat. Vikram Tyagi, a resident of KPD Grand Savanna society in Raj Nagar Extension, worked at his uncle's company — Rajeshwar Builders — which has constructed several highrises across the state. Vikram is said to have left office around 7.30pm on Friday and had apparently stopped at a liquor outlet to buy booze on his way home. He had last spoken to his wife Nidhi around 7.45pm, telling her over the phone that he was just 100 metres from the society gate and would come home in 5 minutes. Vikram stays with his wife and two children — a 12-year-old son and an eight-year-old daughter. When he did not reach home by 8.30pm, Vikram's family members tried calling him on his cellphone, but it was switched off. The next morning, his relatives approached police, and got an FIR registered under IPC Section 365 (kidnapping or abduction with intent secretly and wrongfully to confine a person). Vikram's cousin Abhay Tyagi said the family had searched all the roads around the society on Friday night. "We had checked almost all areas in Raj Nagar Extension when he did not come home even after 10pm. We went to his office, but it was locked. We spend the whole of Friday night trying to trace him on our own. On Saturday, we went to the cops," he added. The family suspects Vikram may have been kidnapped. "He would not have been robbed. He never carried a wallet. That day, he only had some Rs 1,500 and his credit card with him," Abhay said. The last location of Vikram's phone was found near Gaur Cascades in Raj Nagar Extension, which is just a few metres ahead of his society. On Saturday evening, police told the builder's family they had found Vikram's Innova in Muzaffarnagar. According to his cousin, a police team deployed at a checkpoint in Khatauli area of Muzaffarnagar had stopped the Innova around 1am. There were two men inside, and they apparently told the cops they were associated with Delhi Police. "When one of the cops peered inside the vehicle with his torch, he found blood stains at the back of the driver's seat.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

Man posing as railway officer dupes many

GHAZIABAD: A man was arrested from Masuri on Saturday for allegedly posing as an assistant vigilance officer with the Indian Railways and duping several people on the pretext of giving them jobs. A fake letterhead and stamp of the railways have been recovered from the accused. SHO (Masuri) Umesh Panwar said that Raj Kumar Sharma, a resident of Faridabad Sector 22, has been arrested. Santram Yadav, a resident of Dev Heights of Dasna, is an ex-armyman. He had met Raj Kumar a few months back, and the latter introduced himself as an assistant vigilance officer of the railway. During the conversation, he talked about getting the job of ticket collector for Santram' son Sardara. In March, Santram gave him Rs 2.5 lakh, after which the accused sent a letter having stamp of Indian Railways directing Sardara to get his medical done at Baroda House, which houses zonal headquarters of Northern Railways. Here his accomplices got Sardara's medical done near Baroda House. According to Santram, Sharma kept postponing the joining on the pretext of the lockdown first and then sent some questionnaire and said these questions would come in an examination. Santram sensed something was amiss and inquired about Sharma. To his utter shock, he found that Sharma had gone to jail from Faridabad on similar charges of forgery. Apart from Santram, the accused had cheated other persons in Masuri and Hapur. According to the police, the accused also gave cheques to people saying that if they do not get the job, then they can fill the amount and deposit them in the bank account. In this way, he won the trust of the people. A fake Identity card of the railway has also been found from the accused.

Ghaziabad cops form anti-drug cell

GHAZIABAD: The police in Ghaziabad have decided to set up an anti-narcotics cell to rein in the menace of drug rackets that have spread their tentacles across the district. An inspector-level officer and three other cops would be part of this cell. Wearing civvies, they would fan out in areas that are notorious for drug peddling and arrest those involved with supplying narcotics. Sources said several pockets in Vijay Nagar had recently become "hotbeds" of the drug trade and the menace was increasingly spreading among college-going students. Kalanidhi Naithani, the Ghaziabad SSP, said the anti-narcotic cell would be aided by the cyber cell, SWAT team and surveillance agencies. "The review of the anti-drug cell will be done every month. I will do that myself," Naithani added. Sources in the police said those found involved in drug peddling would be booked under the NDPS Act. The cops may also consider slapping the Gangster Act on a case-to-case basis. "The cell will have to tackle drug menace in a holistic manner through enforcement, education, engagement and liaison with different agencies, both civil and police, at different levels," an officer said.

Screening 'on war footing' in containment zones

GHAZIABAD: In view of the increasing Covid cases in the state, the UP government has decided to conduct a special surveillance campaign on a "war footing" for containing the spread of the virus. In the first phase, this campaign will be carried out in all six districts of Meerut division, including Ghaziabad, Gautam Budh Nagar and Meerut, between July 2 and July 12. The development comes a day after the UP government appointed nodal officers for six districts under Meerut division for Covid. While Narendra Bhooshan would continue to spearhead Covid fight in Gautam Budh Nagar, IAS officer Santhil Pandian C has been brought in as the nodal officer for Ghaziabad. According to the chief secretary's order on Monday, the health departments and the district administrations of Ghaziabad and Gautam Budh Nagar will have to ensure 1,000 tests through RT-PCR method and 3,000 tests through rapid antigen kits daily. For Meerut, a target of 1000 RT-PCR tests and 2,000 antigen has been fixed, while Bulandshahr, Baghpat and Hapur each will conduct 600 RT-PCR tests and 1,000 antigen tests daily.

Ghaziabad ice cream factories face Covid heat

GHAZIABAD: The city's ice cream industry has gone into meltdown because of the pandemic. Only five of the 16 ice cream factories have started operating. And with a large part of the season already gone, ice cream makers now say that they are now facing a double whammy - declining demand and shortage of workers. According to the Ghaziabad Ice Cream Association, the demand has gone down as many people are avoiding cold food for Covid fear. Moreover, about 900 migrant workers from Bihar, who were employed in the industry have returned to their homes during the lockdown. "There are big industries like Lakshmi ice cream, Red and Yellow ice cream which do annual business of about Rs 2 crore, while smaller brands up to Rs 10 lakh," said Vijay Duggal, a member of the association. Ghaziabad's ice cream factories, medium and big, get business of about Rs 5 crore annually. "The demand for ice cream goes up every summer that's from March to July - sale peaks and accounts for 75% of the annual business. The demand declines during the rainy season. But this year, we hardly had any business. The declining demand is due to the spread of misinformation on social media regarding consumption of ice cream," he added. Most local firms manufacture all sorts of ice cream, including bars, cones and cups in different flavours. The shortage of workers has also left the companies with production and distribution problems. "Some 900 workers, mostly from Bihar, employed in ice cream factories across the district have left for their home states during the lockdown. As a result, of the 16 factories, as many as 11 are closed. These factories are mostly labour-intensive," Duggal said. Mohit Mittal, who owns Dairy Plus ice cream factory on Meerut Road industrial area, said he was left with no other option but to close his plant due to shortage of workers.

बिल्डिंग से गिरे कारोबारी अवनीश अग्रवाल की हत्या का आरोप

गाजियाबाद : गुलमोहर एंक्लेव की इमारत से 25 जून को संदिग्ध हालात में गिरे कारोबारी की हत्या का आरोप लगाया गया है। परिजनों ने सोमवार को थाना सिहानी गेट में एसएचओ से मुलाकात की और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी लेने के साथ ही शिकायत दी। इसमें उन्होने कारोबारी अवनीश अग्रवाल की हत्या की आशंका जता, कई सवाल भी किए हैं। एसएचओ दलीप सिंह बिष्ट का कहना है कि परिवार की शिकायत पर जांच की जा रही है। इसके आध ाार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नेहरू नगर निवासी आटा व मैदा के कारोबारी अवनीश अग्रवाल अपनी ईकोस्पोर्ट कार से 25 जून की दोपहर दो बजे गुलमोहर एंक्लेव सोसायटी में घुसे थे। रजिस्टर पर उन्होंने सी–4 टावर में तीसरे फ्लोर के एक फ्लैट में जाने की एंट्री की थी। करीब 20 मिनट बाद जोरदार आवाज के बाद लोग मौके पर पहुंचे तो टावर के नीचे अवनीश लहूलुहान हालत में मिले थे। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। अवनीश के जीजा राजीव गुप्ता ने बताया कि हादसे से परिवार परेशान है। लॉकडाउन में अवनीश की बकाया पेमेंट रुक गई थी। मगर फिर भी वह सामान्य थे। बताया कि अवनीश का मोबाइल फॉर्मेट किया हुआ था। यानी पूरा डाटा उड़ाया जा चुका है।

कांग्रेस ने किया पेट्रोल और डीजल के दाम में हुई वृद्धि का विरोध

गाजियाबाद : पेट्रोल और डीजल के दाम बढने के विरोध में जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को कलक्ट्रेट पर धरना दिया। इनकी मांग थी कि दाम कम किए जाएं। जिससे लोगों को राहत मिले। इस संबंध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम अपर नगर मजिस्ट्रेट आदित्य प्रजापति को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने कहा कि पेट्रोल और डीजल के दामों में नियमित रूप से वृद्धि हो रही है। जबकि कश्चे तेल के दामों में गिरावट है। टैक्स लगाकर जनता के लिए पेट्रोल और डीजल महंगा कर दिया गया है। यह उचित नहीं है। इससे जनता को परेशानी हो रही है।

लापता का शव मसूरी नहर से मिला

गाजियाबाद : पत्नी को लाने की बात कह घर से निकले युवक का शव मसूरी गंगनहर से मिला है। सोमवार दोपहर बाद रेलवे पुलिस के पास नहर के किनारे झाडियों में फंसा शव को देखकर हड़कंप मच गया। सूचना के बाद पुलिस पहुंची और शव की पहचान लिंकरोड थाना क्षेत्र से लापता युवक के रूप में की। युवक की बाइक और कपड़े और मोबाइल 27 जून की शाम मुरादनगर में गंगनहर के पास से मिले थे। एसएचओ मसूरी उमेश पंवार ने बताया कि मृतक की पहचान बृज विहार निवासी विशाल कश्यप के रूप में हुई है। विशाल के परिवार में पत्नी व दो साल की बेटी है। मसूरी पहुंचे पिता विमल कश्यप ने बताया कि विशाल डिलीवरी ब्वॉय था और लॉकडाउन में नौकरी छूट गई थी। इसके बाद से ही वह परेशान था। कुछ दिन पहले विशाल की पत्नी मायके गई थी। 26 जून की शाम वह अपनी मां से पत्नी को लाने की बात कह घर से निकला। पिता विमल कश्यप ने बताया कि बहू को फोन किया तो उसने विशाल के आने से इन्कार कर दिया। विशाल को फोन किया तो कॉल नहीं उठी। अगले दिन शाम विशाल का फोन एक दारोगा ने उठाया और बताया कि बाइक और कुछ कपड़े मुरादनगर में गंगनहर के पास मिले हैं। आज उसका शव मिला है। स्वजनों ने किसी भी थाने में कोई सूचना नहीं दी थी।

ब्रेस्ट कैंसर से अनजान है अधिकतर महिलाएं : डॉ.सीमा सिंह

रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान ने बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली के सहयोग से किया वेबिनार का आयोजन

ब्रेस्ट कैंसर को लेकर जागरूकता, रोकथाम और जीवनशैली विषय पर हुई वेबिनार

गाजियाबाद : रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान द्वारा बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली के सहयोग से ब्रेस्ट कैंसर को लेकर जागरूकता, रोकथाम और जीवनशैली विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ.सुरेंद्र कुमार डबास (सीनियर डायरेक्टर एंड एचओडी सर्जिकल ऑनकोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली) तथा मुख्य वक्ता डॉ.सीमा सिंह (एसोसिएट कंसलटेंट, सर्जिकल ऑनकोलॉजी, बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली) ने ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जानकारी दी।

वेबिनार में रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्टर्न, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हैरिटेज, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद मेट्रो, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद ग्रीन, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सिटी, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत सेंट्रल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अपटाउन, इनरव्हील क्लब आईपीईएक्स दिल्ली, रोटरी क्लब ऑफ नोएडा यूथ, गाजियाबाद भार्गव समिति, मान्यवर कांशीराम गर्वमेंट डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद व इंग्राहम इंस्टीटयूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टीडीज एंड लॉ के सदस्य जुड़े हुए थे।

मुख्य वक्ता डॉ.सीमा सिंह (एसोसिएट कंसलटेंट, सर्जिकल ऑनकोलॉजी, बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली) ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों की अधिकतर महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जानकारी ही नहीं है। एक रिसर्च में पाया गया है कि ज्यादातर महिलाओं को अपने ब्रेस्ट में होने वाली गांठों का खुद से पता लगाने का तरीका नहीं मालूम है। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में काफी देर करती है और ज्यादातर मामलों में इसका कारण इलाज महंगा होना होता है। इसके अलावा अशिक्षा, नजरअंदाज करना, गरीबी और अंधविश्वास के कारण भी कई महिलाएं

अस्पताल जाने में बहुत देर करती हैं। वहीं, ब्रेस्ट में होने वाली गांठ में कोई दर्द महसूस ना होने पर भी महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर का इलाज नहीं करवाती। ब्रेस्ट कैंसर के सफल इलाज के लिए समय रहते उसके बारे में पता चलना अहम होता है। ऐसे में महिलाओं को इसके लक्षणों और इसके इलाज के बारे में जागरूक करना महत्वपूर्ण है।

ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण : स्तन के भीतर कोशिकाओं में गांठ होना, निपल के आसपास छाले पड़ना, गांठ के साथ शरीर में कोई अचानक बदलाव होना, शरीर पर कोई लालपन आ जाए या कोई घाव हो जाए, निपल से खून आना, स्किन और निपल अचानक से धसना शुरू होना, कांख में किसी प्रकार की गांठ आना, आनुवंशिकता के कारण भी यह बीमारी होती है। इन सबके अलावा कुछ और भी कारण हैं।

ब्रेस्ट कैंसर से बचने के उपाय : महिलाओं को समय समय पर खुद अपने ब्रेस्ट का परीक्षण करते रहना चाहिए। महिलाओं को सामान्य रूप से अपने ब्रेस्ट के आकार और वजन की जानकारी होनी चाहिए। अगर लगे कि आपके ब्रेस्ट में अचानक किसी प्रकार का बदलाव या गांठ जैसी चीज महसूस होती हैं तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। ब्रेस्ट कैंसर के परीक्षण के लिए ब्रेस्ट्स की मैमोग्राफी करानी चाहिए क्योंकि इस मैमोग्राफी के जरिए ब्रेस्ट के टिश्यूस में होने वाली अनियमिताओं का पता लग जाता है। आमतौर पर ब्रेस्ट कैंसर 40 वर्ष से अधिक आयु वाली महिलाओं में होने की संभावना अधिक होती है।

डॉ.सुरेंद्र कुमार डबास ने बताया कि अपने भोजन में हरी सब्जियों व फलों की मात्रा अधिक करें। क्योंकि इनके सेवन से शरीर के स्वस्थ वजन मैंटेन करने में मदद मिलती है। ब्रेस्ट फीडिंग कराने वाली महिलाओं को कम से कम अपने बच्चों को एक साल तक ब्रेस्ट फीडिंग कराना चाहिए। शराब व धूम्रपान जैसी आदतों से बचना चाहिए। योग्य चिकित्सक द्वारा नियमित रूप से, बीस वर्ष की आयु से अपने स्तनों की स्क्रीनिंग अवश्य करवानी चाहिए, ताकि बीमारी का जल्दी पता लगाया जा सकें तथा बीमारी का सफलतापूर्वक उपचार भी किया जा सकें।

रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के संरक्षक एवं आईपीडीजी रो. सुभाष जैन ने कहा कि हर हाल में पैकेटबंद फूड खाने से बचना चाहिए। फास्ट फूड का सेवन भी एकदम नहीं करें। इनमें ट्रांस फैट होता है, जिससे ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा बिस्किट, पेस्ट्रीज, केक और दूसरे कुकीज कभी–कभार खाएं। इन्हें अपने नियमित भोजन में शामिल न करें।

रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के संरक्षक एवं डीजीएन रो.अशोक अग्रवाल ने कहा कि ज्यादा मीठा खाना स्वास्थ्य के लिए हर हाल में बुरा है। इससे डायबिटीज की समस्या तो बढ़ती ही है, ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी हो सकता है। चीनी में रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट बहुत ज्यादा होता है, जिससे ब्लड में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। इससे इंसुलिन जरूरत से ज्यादा बनता है, जो ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना को बढ़ाता है। मीठा खाना हो तो चीनी की जगह गुड़ या शहद का इस्तेमाल करें। गुड़ का सेवन करना अधिक सुरक्षित है।

समन्वयक एवं रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि आज–कल की भागदौड़ भरी जिन्दगी में अनियमित खान–पान, अनिद्र, ऑल्कोहॉल का सेवन, धूम्रपान के कारण कैंसर जैसे महामारी का शिकार लोग हो रहे हें। मुख्य रूप से महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर का शिकार बन रही हैं। स्तन कैंसर से बचाव के लिए अभी तक कोई ठोस वैक्सिन उपलब्ध नहीं है। इसलिए जागरूकता ही बचाव है।

मान्यवर कांशीराम गर्वमेंट डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद की प्रिंसिपल डॉ. अर्चना वर्मा ने स्तन कैंसर को महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक बताते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए जागरूकता लाने की जरूरत है, जिससे समय रहते इसका निदान हो सके। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, हमारे देश में आज भी महिलाएं इसके प्रति जागरूक नहीं है।

इंग्राहम इंस्टीटयूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सरिता शर्मा ने अभी हाल में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, 28 में से एक महिला को अपने जीवनकाल में स्तन कैंसर होता है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में इस बीमारी के मरीजों की संख्या 22 महिलाओं में से एक जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 60 में से एक महिलाएं इस बीमारी से जूझ रही हैं।

मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टीडीज एंड लॉ की प्रिंसिपल श्रीमती निशा सिंह ने बताया कि भारत में स्तन कैंसर की समस्या 30 से 40 की उम्र में ज्यादा होती है। भारत में इसके प्रति जागरूकता और जांच का अभाव काफी देखने को मिलता है, जो अंतिम समय में महिला और उनके परिजनों को पूरी तरह तोड़ देता है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में भारत में स्तन कैंसर की चपेट में 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाएं ज्यादा आई हैं। इसके प्रति जागरूकता का अभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी पहचान तीसरे या चौथे स्टेज में होती है, जब यह रोग मरीज के लिए खतरनाक हो जाता है।

वेबिनार में अजय कुमार, अलका सिंघल, आनंद, अनन्या, आशा शर्मा, अशोक बजाज, अतुल अग्रवाल, अवलोक, दयानंद शर्मा, दिव्या अग्रवाल, डॉ.बॉबी यादव, डॉ.उपासना दीक्षित, डॉ.योगेश, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. कल्पना त्यागी, डॉ.मीनू वार्ष्णेय, डॉ.राजीव वर्मा, डॉ.स्वेता शर्मा, डॉ.प्रियंका सैनी, गौतम, कनक शर्मा, मनिंद्र सिंह, मनोज कुमार, मनोज कुमार, मोना दिनेश गर्ग, मोनिका गोविल, निधि शुभानंद, प्रतीक भार्गव, प्रिया वार्ष्णेय, प्रियंका, पूजा अरोरा, राजकुमार पांचाल, रिंकी अग्रवाल, रवींद्र सिंह, अमित गुप्ता, रितू रोहिला, संदीप मिगलानी, संजय रोहिला, रूपा शाह, सचिन शर्मा, सुनीता, टीनू, वसीम मनसूर, यशिका शर्मा, रजनी दीक्षित, सुजीत कुमार आदि शामिल रहे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.